2024

HINDI — HONOURS

Paper : DSE-B-1 and DSE-B-2

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

Paper : DSE-B-1

(Asmitamulak Vimarsh aur Hindi Sahitya)

Full Marks : 65

(अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य)

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) 'धूणी तपे तीर' उपन्यास में किस विमर्श की चर्चा है? इसका प्रकाशन वर्ष बताइए।

(ख) "देसवा अजाद अहै, हम तो गुलमवाँ"— किस कविता की पंक्ति है? इसकी भाषा क्या है?

(ग) आदिवासी विमर्श की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखें।

(घ) दलित विमर्श के दो प्रमुख हस्ताक्षरों के नाम बताएं।

(ङ) "बाप दादों की रीत है, एकदिन में तो न छोड़े जावे हैं"— कहानी और कहानीकार का नाम लिखिए।

(च) स्त्री साहित्य से संबंधित किन्हीं दो रचनाओं के नाम बताएँ।

(छ) 'जोहार' शब्द किस समुदाय से संबंधित है? इसका क्या अर्थ है?

(ज) किन्हीं दो दलित कहानियों का नामोल्लेख करें।

(झ) 'मुर्दहिया' उपन्यास के रचनाकार कौन हैं? उपन्यास का प्रकाशन वर्ष क्या है?

(ञ) हिन्दी की किन्हीं दो आत्मकथाओं के नाम लिखिए।

2. किन्हीं *तीन* लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3

(क) 'सोनवा का पिंजरा' कविता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

(ख) 'सलाम' कहानी की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालें।

(ग) 'मुर्दहिया' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें।

(घ) 'कितनी व्यथा' कविता का सारांश लिखें।

(ङ) 'सात भाइयों के बीच चंपा' कविता का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

Please Turn Over

3. किन्हीं ***तीन*** आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3

(क) 'दलित विमर्श' की अवधारणा स्पष्ट करते हुए दलित साहित्य की सैद्धांतिकी पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'आदिवासी विमर्श' की अवधारणा स्पष्ट करते हुए आदिवासी आंदोलन का सामान्य परिचय दीजिए।

(ग) स्वानुभूति बनाम सहानुभूति के तर्क के आलोक में दलित विमर्श का मूल्यांकन कीजिए।

(घ) "अन्या से अनन्या" में व्यक्त स्त्री प्रश्नों पर विचार कीजिए।

(ङ) 'अस्मितामूलक विमर्श' के अंतर्गत चर्चित किसी एक विमर्श के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Paper : DSE-B-2

(Chayawad)

Full Marks : 65

(छायावाद)

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×10

(क) छायावाद का महाकाव्य किसे कहा जाता है? यह किसकी रचना है?

(ख) पंत जी की प्रकृति प्रेम संबंधी दो कविताओं के नाम बताइए।

(ग) 'कामायनी' को मानव-चेतना के विकास का महाकाव्य कहने वाले विद्वान का नाम बताइए। 'कामायनी' का प्रकाशन-वर्ष बताइए।

(घ) "खुल गये छँद के बंध।"— किसकी उक्ति है? उन्हें किस काव्य-संग्रह पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला?

(ङ) निराला की व्यंग्यप्रधान दो कविताओं के नाम लिखिए।

(च) "छायावाद की प्रथम प्रयोगशाला" कौन-सी कृति के लिए कहा जाता है? इसके रचनाकार का नाम बताइए।

(छ) महादेवी के काव्य में प्रयुक्त दो प्रमुख प्रतीक क्या है? नाम लिखिए।

(ज) छायावादी काव्य की किन्हीं दो काव्य-प्रवृत्तियों के नाम लिखिए।

(झ) प्रसाद जी के काव्य की किन्हीं दो विशेषताओं को लिखिए।

(ञ) 'पल्लव' की भूमिका के रचनाकार का नाम लिखिए। यह कौन-सी विधा में लिखी गयी है?

2. किन्हीं ***तीन*** लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3

(क) निराला की काव्य-भाषा पर विचार कीजिए।

(ख) 'प्रकृति का सुकुमार कवि' किसे कहा जाता है? उनके काव्य की किन्हीं दो प्रवृत्तियों को बताइए।

(ग) 'आह! धरती कितना देती है!!' कविता का मूल-भाव स्पष्ट कीजिए।

(घ) महादेवी वर्मा की काव्यगत विशेषताओं पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ङ) 'कामायनी' में कुल कितने सर्ग हैं? इस महाकाव्य का मूल-भाव संक्षिप्त रूप में लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 10×3

(क) पंत जी की दार्शनिक चेतना का विवेचन कीजिए।

(ख) छायावादी रचनाओं में वर्णित गीत-तत्त्व की विवेचना करते हुए किसी एक छायावादी-गीत का भावसौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) छायावादी प्रवृत्तियों के आधार पर जयशंकर प्रसाद के काव्य की विवेचना कीजिए।

(घ) छायावादी कवियों के काव्य में व्यंजित प्रकृति-चित्रण को उदाहरण सहित व्याख्यायित कीजिए।

(ङ) महादेवी वर्मा को विरह की कवयित्री क्यों कहा जाता है?— उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।